

संपादकीय

दित्यता के दित्यांग

पैरा एशियाड में प्रेरक ऐतिहासिक सफलता

जापान के आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने नया इतिहास रचा है। अब तक हुए पैरा एशियन खेलों में हमारे खिलाड़ियों का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीस स्वर्ण व पैंतीस रजत पदकों समेत कुल 114 पदक भारत की झोली में डाले। जबकि 2023 के पैरा एशियन गेम्स में एक बड़े दल ने 108 मेडल ही जीते थे। इस बार के खिलाड़ियों का दल पिछले के मुकाबले छोटा था, मगर उपलब्धियां बड़ी रही। एक ओर जहां जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने

“ एक ओर जहां जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने देश को एशिया में चौथे नंबर का विजेता बनाया है। आईची-नागोया में संपन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी व कोच आदि शामिल थे। इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित हुआ था। निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी व कोच आदि शामिल थे। इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित हुआ था। निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, लगन व आत्मविश्वास से यह सफलता हर किसी भारतीय के लिये प्रेरणादायक है कि किसी भी तरह की शारीरिक अपूर्णता हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकती है। हमें हर चुनौती में सकारात्मक रहते हुए अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए। हम बड़े सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं।

आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाड खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवायी है। पैरा एथलेटिक्स खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। जिसमें कुल पैंसठ पदक जीते गए। इसके अलावा पदकों के अनुपात में यह कामयाबी बैडमिंटन, तैराकी और तीरंदाजी में रही। वहीं निशानेबाजी,टेबल-टेनिस, जूडो और पावरलिफ्टिंग में भी हमने पदक जीते। इन्हीं कामयाबियों से हम अब तक के पैरा एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब रहे। कल्पना की जा सकती है कि हमारे पैरा खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कितनी मेहनत की होगी। एक तो विभिन्न किस्म की शारीरिक चुनौतियों व अपूर्णताओं से जूझना और फिर एशिया स्तर तक के मुकाबले के लिये योग्यता हासिल करना। कहावत है कि ‘सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा।’ कहने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को

कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है। खासकर उस समाज में जहां दित्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है। हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है, जिसमें दित्यांगों का जीवन सहज-सरल हो सके। हम उनके जीवन को सहज बना सकने वाली सुविधाएं, उन्हें अब तक उपलब्ध नहीं करा पाए। देश के हर छोटे-बड़े शहर में ऐसी खेल सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, जहां पैरा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार सकें। साथ ही सरकार को इन खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देने के बजाय ऐसे अवसर उपलब्ध कराने चाहिए, जिससे उनका शेष जीवन सुखमय-सुविधामय हो सके।

कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है। खासकर उस समाज में जहां दित्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है। हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है, जिसमें दित्यांगों का जीवन सहज-सरल हो सके। हम उनके जीवन को सहज बना सकने वाली सुविधाएं, उन्हें अब तक उपलब्ध नहीं करा पाए। देश के हर छोटे-बड़े शहर में ऐसी खेल सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, जहां पैरा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार सकें। साथ ही सरकार को इन खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देने के बजाय ऐसे अवसर उपलब्ध कराने चाहिए, जिससे उनका शेष जीवन सुखमय-सुविधामय हो सके।

बेशक, बंगाल की इस घटना की तुलना उस उपन्यास से करना कुछ बढ़ा-चढ़ाकर देखना हो

धैर्य-परिश्रम बदल सकते हैं बहती जीवनधारा

रोहित कौशिक

हमें ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे, जब लोग एक रास्ते पर चलकर सफल नहीं हो पाए, लेकिन दूसरे रास्ते पर चलकर सफलता की एक नई कहानी लिख दी। हमें ऐसे भी अनेक उदाहरण मिलेंगे, जब लोग ताउम्र रास्ते बदलते रहे और उन्हें सफलता नहीं मिली, लेकिन जिंदगी के आखिरी पड़ाव पर उन्हें अभूतपूर्व सफलता मिली। हमारी जिंदगी उस नाव की तरह है जो समय की धारा में अपने आप बहने लगती है। हम एक निश्चित दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं, लेकिन कभी-कभी समय की धारा अपने हिसाब से हमारी नाव का रुख मोड़ देती है। कुछ समय बाद जब हम अपनी जिंदगी के पिछले सफर पर गौर करते हैं, तो हमें पता चलता है कि हमें कहां पहुंचना था और हम कहां पहुंच गए हैं। दरअसल, यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।



दो मित्रों के जीवन की कहानियां याद आ रही हैं। एक मित्र पढ़ने में बहुत तेज था और इंजीनियर बनना चाहता था, लेकिन घर की परिस्थिति ऐसी नहीं थी कि उसकी पढ़ाई पर ज्यादा खर्च किया जा सके। वह केवल इंटरमीडिएट तक ही पढ़ पाया और आज अपनी एक छोटी-सी दुकान संचाल रहा है। दूसरे मित्र के घर की स्थिति काफी अच्छी थी और वह पढ़ने में भी ठीक-ठाक था।

वह डॉक्टर बनना चाहता था। काफी तैयारी करने के बाद भी वह प्रतियोगी परीक्षा में सफल नहीं हो पाया और आज वह अपने परिवार का एक बड़ा व्यवसाय संचाल रहा है। आज दोनों ही मित्र कहते हैं कि जीवन की आपाधापी में हमें पता ही नहीं चला कि कब हमारा रास्ता बदल गया और हम कैसे उस रास्ते पर बहुत आगे भी निकल आए। गृहस्थी की उलझनों में हमें बहुत दिनों तक ऐसे मुद्दों पर सोचने का समय ही नहीं मिलता है और हम बहुत दूर निकल जाते हैं।

जिंदगी में एक पड़ाव ऐसा आता है, जब हम अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखते हैं। तब हमें यह अहसास होता है कि हमने अपने जीवन में कहां-कहां

चूक की है। जरूरी नहीं कि ये चूक जानबूझकर की गई हों। कभी-कभी अनजाने में भी ये चूक हो जाती हैं। कभी किसी अन्य परिस्थिति के कारण हम उस रास्ते पर निकल जाते हैं, जिस पर जाना नहीं चाहते थे।

बहरहाल, हम जिंदगी के इन रास्तों का विश्लेषण करते रहते हैं, लेकिन शायद जिंदगी के कुछ रास्ते विश्लेषण से परे होते हैं। इसीलिए ऐसे विश्लेषण से हमारे हाथ कुछ नहीं लगता है। असली सवाल यह है कि हम अपने वर्तमान जीवन से खुश हैं या नहीं। दरअसल, हम जीवन में जो बनना चाहते हैं, वह बनकर भी खुश नहीं रह पाते हैं। इसी तरह, अगर हम वह न बन पाएं, तो भी खुश रह सकते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि हम जो चाहते हैं, वह कभी पूरा नहीं होता। किसी भी काम के प्रति हमारी लगन और मेहनत ही हमारी सफलता का आधार बनती है। यही कारण है कि हम जो चाहते हैं, वह पूरा भी होता है। इसीलिए हमारे अंदर आगे बढ़ने की चाहत हमेशा बनी रहती है।

कई बार हम जिस रास्ते पर आगे बढ़ना चाहते हैं, परिस्थितिवश उस रास्ते पर आगे नहीं बढ़ पाते।

भगवान वाल्मीकि : जिन्होंने श्रीराम के आदर्शों को शब्दों में ढाला

प्रभाकर पाठक

आदिकवि भगवान वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया और माता सीता को आश्रय देकर लव-कुश को शिक्षित किया। उनका आश्रम सामाजिक समरसता और समानता का अद्वितीय प्रतीक था। वाल्मीकि जयंती हमें भेदभाव समाप्त कर उपेक्षितों का सहारा बनने और उनके बताए मानवीय मूल्यों को अपनाने की सच्ची प्रेरणा देती है।

रामलीला का मंच सजने से पहले हर साल एक परंपरा निभाई जाती है। कई रामलीला समितियां पंजाब के अमृतसर में बने भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल (राम तीर्थ) जाती हैं और वहां से पवित्र जल व अखंड ज्योति लेकर लौटती हैं। यह भगवान वाल्मीकि का आश्रम था, जहां माता सीता ने निवास किया और लव-कुश का जन्म हुआ। राम के चरित्र का मंचन उस भूमि के आशीर्वाद से शुरू होता है, जहां से राम कथा निकली। आश्विन पूर्णिमा को आने वाली वाल्मीकि जयंती इसी स्मरण का दिन है।

ऋषिपुत्र, जिन्होंने साधना से पहचान बनाई

भगवान वाल्मीकि ऋषि प्रचेता के पुत्र हैं। ऋषि के घर जन्म लेने भर से उनका मार्ग आसान नहीं हुआ। उन्होंने इतनी कठोर तपस्या की कि उनके शरीर पर दीमक की बांबी, यानी वल्मीक, बन गई। इसी से वे वाल्मीकि कहलाए। उनका जीवन बताता है कि साधना और संकल्प से मनुष्य अपनी पहली पहचान से आगे बढ़ सकता है।



राम जी को संसार तब पहुंचाने वाली लेखनी

आज घर-घर में भगवान श्रीराम का नाम है, तो इसकी नींव वाल्मीकि की रामायण ने रखी। उन्होंने केवल गीतवाए नहीं दर्ज कीं।

उन्होंने श्रीराम के जीवन को आदर्शों के रूप में सामने रखा

पिता के वचन के लिए राजपाट छोड़ देने का त्याग वनवास के कष्टों में धैर्य, शबरी के जूटे बेर स्वीकार करने

की विनम्रता, शत्रु के प्रति भी मर्यादा, प्रजा के विश्वास को अपने सुख से ऊपर रखने की भवना।

बाद में कई भाषाओं के कवियों ने राम को अपने ढंग से गाया, पर सबकी जड़ में वही आदिकाव्य है। इसीलिए भगवान वाल्मीकि को आदिकवि कहा जाता है। उन्होंने राम के जीवन आदर्शों को काव्य का रूप दिया।

सीता के संबल और लव-कुश के गुरु

वाल्मीकि केवल कथाकार नहीं थे। जब लोकापवाद के कारण माता सीता को वन जाना पड़ा, तब उन्हें

लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि हमारे लिए सारे रास्ते बंद हो गए हैं। जब एक रास्ता बंद होता है, तो दूसरा रास्ता खुलता है। हम एक रास्ता बंद होने को ही जीवन का अंत मान लेते हैं। यह स्थिति हमें मनोवैज्ञानिक रूप से भी परेशान करती है। इस समय एक मनोवैज्ञानिक दबाव हमारे ऊपर कार्य करने लगता है। जीवन के सहज प्रवाह के लिए हमें मनोवैज्ञानिक दबाव से बचने की हर संभव कोशिश करनी होगी। इसलिए एक रास्ता बंद होने पर हमें धैर्य के साथ ठंडे दिमाग से विचार-विमर्श करना होगा। ऐसी स्थिति में यदि हम धैर्य का साथ छोड़ देते हैं, तो एक और गलत रास्ते पर आगे बढ़ने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इस समय हम धैर्य के माध्यम से ही मनोवैज्ञानिक दबाव कम कर सकते हैं। मनोवैज्ञानिक दबाव कम होने पर ही दूसरे रास्ते पर चलने का सही निर्णय लिया जा सकता है।

मानसिक तनाव की इस स्थिति से उबरने पर हमें एक साथ कई रास्ते दिखाई देने लगते हैं। मानसिक तनाव कम होने पर ही हमारा विचार-विमर्श किसी उचित फैसले तक पहुंच पाता है। उचित फैसला लेने के बाद हमें दूसरे रास्ते पर आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। हमें ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे, जब लोग एक रास्ते पर चलकर सफल नहीं हो पाए, लेकिन दूसरे रास्ते पर चलकर सफलता की एक नई कहानी लिख दी। हमें ऐसे भी अनेक उदाहरण मिलेंगे, जब लोग ताउम्र रास्ते बदलते रहे और उन्हें सफलता नहीं मिली, लेकिन जिंदगी के आखिरी पड़ाव पर उन्हें अभूतपूर्व सफलता मिली। इसलिए हमें किसी भी कीमत पर निराश नहीं होना है।

सफर में हमें यह पता नहीं रहता कि इस रास्ते पर चलकर हम सफल होंगे या नहीं। जरूरत इस बात की है कि हम पूरी ईमानदारी के साथ अपने रास्ते पर आगे बढ़ें। आगे बढ़ने के जुनून और हौसले को हमें किसी भी हाल में कम नहीं होने देना है। यह जुनून और हौसला ही अंततः हमें सफल बनाता है। अगर हम किसी रास्ते पर आगे बढ़ेंगे ही नहीं, तो हमारी अनेक संभावनाएं समाप्त हो जाती हैं। हमें हर हाल में संभावनाओं के लिए अपने द्वार खुले रखने हैं। जिन लोगों में परिश्रम करने और आगे बढ़ने की इच्छा नहीं होती है, वे इस जिंदगी से तमाम शिकायतें करते हैं। हमें यह समझना होगा कि शिकायतों से कोई भी काम हल नहीं होता है। अपने रास्तों पर बिना शिकायतों के आगे बढ़ना ही हमारा उद्देश्य होना चाहिए।

आश्रय उनके आश्रम में मिला। जिस घड़ी में अपने भी दूर हो गए, उस घड़ी में एक ऋषि बिना किसी शर्त के सहारा बने। वहीं लव और कुश का जन्म हुआ। भगवान वाल्मीकि ने दोनों को शिक्षा, संस्कार और शस्त्र-विद्या दी। यही बालक आगे चलकर रामकथा का गान करते हुए अयोध्या पहुंचे। रचयिता का सिखाया गायन उन्हीं के शिष्यों के स्वर में लौटकर राम के दरबार तक पहुंचा।

समरस जीवन और सबकी सहभागिता

उनके आश्रम में ऊंच-नीच का कोई भेद नहीं था। राजपुत्र और वनवासी बालक एक ही गुरु से सीखते थे। आज वाल्मीकि जयंती पर किसी भी निकलने वाली शोभायात्राओं, पूजन, भजन-कीर्तन और रामकथा के आयोजनों में सभी वर्गों के लोग साथ दिखते हैं। यह उसी समरसता की झलक है, जो उनके आश्रम की पहचान थी।

आज हमारे लिए संदेश

जयंती केवल जयकारे लगाने और झांकियां निकालने का दिन नहीं है। वाल्मीकि ने श्रीराम के आदर्श इसलिए लिखे कि समाज उन्हें अपनाए। इसलिए हमें अपने आसपास देखना चाहिए कि कोई उपेक्षित तो नहीं, किसी के साथ भेदभाव तो नहीं हो रहा, किसी को सहारे की आवश्यकता तो नहीं। जिस परंपरा ने सीता का आश्रय दिया, उसे मानने वाले को दूसरों के लिए आश्रय बनना आना चाहिए। भगवान वाल्मीकि को इससे बड़ी श्रद्धांजलि कोई नहीं हो सकती।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ज्योति मल्होत्रा

बीते सप्ताह आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपने भाषण में सत्ता में बदलाव की संभावना को नकारा। इसके अलावा बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान वामपंथी बुकस्टॉलों को निशाना बनाने की घटना हुई। लेकिन शासन की प्रतिक्रिया नहीं आई। हालांकि एक मंत्री का वाक्ये की निंदा करना लोकतंत्र की भावना के अनुकूल ही है जिसके तहत देश की राजनीति में विभिन्न विचारधाराओं का सहअस्तित्व स्वीकारने की परंपरा रही।

पिछले हफ्ते की शुरुआत में नागपुर में जब तक आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपना वार्षिक विजयादशमी भाषण दिया, जिसमें उन्होंने ‘सत्ता परिवर्तन’ की संभावना को खारिज करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी के प्रति संगठन के समर्थन को रेखांकित किया,तब तक, बंगाल में दुर्गा पूजा पंडालों के आसपास लगे वामपंथी बुकस्टॉलें के बुकस्टॉलों में आग लगा दी जा चुकी थी। किताबों के साथ हुए इस किस्म के सलूक ने, बेशक, आपकों रे ब्रैडबरी के 1953 के मशहूर उपन्यास ‘फॉरेनहाइट 451’ की याद दिलाई होगी,इस किताब का उपशीर्षक है- ‘वह तापमान, जिस पर किताबों का कागज आग पकड़ता है और जल जाता है’। यह उपन्यास अमेरिका में मैकार्थी युग के चरम पर लिखा गया था। इसमें नाजी जर्मनी में किताबों को जलाए जाने और सोवियत संघ की ‘गुलान’ जेलों में हुए दमन का जिक्र है, जब ‘राष्ट्र-विरोधी’ माने जाने वाले साहित्य को पढ़ने, लिखने या उस पर विचार करने का मतलब था कड़ी सजा आमंत्रित करना।

बेशक, बंगाल की इस घटना की तुलना उस उपन्यास से करना कुछ बढ़ा-चढ़ाकर देखना हो

सकता है। जो भी हो, राज्य के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने, जिन्होंने यकीनन मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के मुकाबले कहीं ज्यादा किताबें पढ़ी हैं—अपनी सरकार की कुछ हद तक लाज बचा ली, जब उन्होंने कहा कि हालिया दुर्गा पूजा के दौरान जिस तरह से कुछ उपद्रवियों और गुंडों ने वामपंथी बुकस्टॉलों को तहस-नहस किया है, उसे देखकर उनका सिर शर्म से झुक जाता है। (इस मामले को गहराई से समझने के लिए, आप पिछले हफ्ते ‘द ट्रिब्यून’ में छपा वरिष्ठ पत्रकार शिखा मुखर्जी का लेख पढ़ सकते हैं।)

दासगुप्ता ने गत सप्ताह हिमन्त कर सच बोला है क्यूँकि वे समझते हैं कि ‘बंगाल’ का विचार सुवेंदु अधिकारी से कहीं बड़ा है - ठीक वैसे ही, जैसे कभी सीपीआई (एम) के दिग्गज नेता और मुख्यमंत्री रहे ज्योति बसु ने 1996 में अपनी ही पार्टी के खिलाफ आवाज उठाई थी। तब उन्होंने उनको प्रधानमंत्री बनने से रोके जाने के पार्टी के फैसले को एक ‘ऐतिहासिक भूल’ करार दिया था। यहां मुख्य बात यह है कि बिल्कुल अलग-अलग विचारधाराओं-एक वामपंथी और दूसरी दक्षिणपंथी-से जुड़े ये भेद पुरुष, अलग-अलग विचारों के सहअस्तित्व को स्वीकार करने में सक्षम रहे। यही लोकतंत्र का सार है। ऐसा करके, दासगुप्ता विरोधी विचारों के प्रति सम्मान का समर्थन करते हैं। वामपंथों में भी कई लोग ऐसे हैं जो एक ही सांस में ‘लाल सलाम’ का नारा लगाने और अंदर ही अंदर महालया पाठ करने में समर्थ नहीं हैं। लेकिन एक अच्छे कॉमरेड ज्योति बाबू समझते थे कि भले ही धर्म ‘जनता के लिए अप्रभो’ हो, फिर भी इस नियम का एक अपवाद हमेशा रहा है-देवी दुर्गा, देवी काली और देवी सरस्वती का



उत्सव। यही वजह है कि गोपाल कृष्ण गोखले के नाम से जुड़ा मशहूर कथन लंबे समय तक सच माना जाता रहा : ‘बंगाल जो आज सोचता है, शेष भारत कल सोचता है’। (हालांकि, गोखले ने 1905 में ऐसा नहीं कहा था।) फिर भी, समस्या बंगाल या बंगालियों के साथ नहीं है-भले ही सुवेंदु अधिकारी कुछ भी कहें-बर्लिक समस्या यह है कि अगर भारत में ‘अलग’ होने, धारा के विपरीत तैरने का विचार धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है।

सच तो यह है कि ऐसा कुछ समय से हो रहा है। हाज़िरजवाबी की कला- जिसमें आप गुस्से की बजाय व्यंग्य की धार से अपने विरोधी को निरुत्तर कर दें-लगभग विलुप्त हो चुकी है। आजकल राजनीति में गुस्सा बहुत ज्यादा है। शायद हर किसी के पास गुस्सा होने की कोई न कोई वजह है। यही कारण है कि दिल्ली की

सड़कों पर होने वाले विरोध-प्रदर्शन-जब भी पुलिस होने दे- उसके कुछ हिस्से, एक सुखद बदलाव की तरह लगते हैं। मिरांडा हाउस की छात्राओं का ‘एक कचौड़ी, दो समोसा’ वाला नारा इसलिए असरदार रहा क्योंकि वे दिल्ली पुलिस पर तंज कस रही थी ‘कि जब हमें आपकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब आप कहां होते हैं’? या फिर जब नेहा बोरान उन पुलिसकर्मियों से चाय की मांग करती हैं, जिन्होंने उन्हें और उनके साथियों को हिरासत में ले रखा है? छात्रों ने वह पुरानी कहावत पकड़ ली : ‘जब आपका विरोधी आपसे कहीं ज्यादा ताकतवर हो, तो उसको हाथ्य से जीत लो’।

तथापि, दिल्ली में कुछ चीजें पहले ही बदल रही हैं। मिजाज सख्त होता जा रहा है। यह साफ है कि सरकार दोतरफ़ रणनीति लगा रही है - पहला, हर किस्म के विरोध-प्रदर्शन को न होने

देना, चाहे वह सड़कों पर होने वाले प्रदर्शन हों या विरोध दर्शाने वाले अन्य माध्यम, जैसे कि प्रदर्शनों की छवियां वाली तस्वीरों की प्रदर्शनी। अब मस्ती और हल्के-फुल्केपन का समय सिकुड़ रहा है।

दूसरा, मुख्य विपक्षी दल को निशाना बनाना। भले ही देश के ज्यादातर हिस्सों में कांग्रेस सिकुड़ी पड़ी है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अच्छी तरह जानते हैं कि यही वह एकमात्र राजनीतिक समूह है, जिसमें खुद को फिर से खड़ा करने की क्षमता है। कोई इत्तेफाक नहीं कि बीते गुरुवार एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में मोदी ने अपनी टिप्पणियों में कांग्रेस पर ‘दिमागी नक्सलियों’ या ‘बौद्धिक नक्सलियों’के बढ़ते प्रभाव की बात कही। यह भी कोई इत्तेफाक नहीं कि बीजेपी इस समय राहुल गांधी के कथित तौर पर विदेश में छुट्टियां मनाने को - माना जा रहा है कि वे वियतनाम में हैं - निशाना बना रही है और पूछ रही है कि वहां पर वे किस्से मिल रहे हैं। यह एक अलग बात है कि ऐसे नाजुक समय में विदेश जाकर छुट्टी मनाने का कथित फैसला करके राहुल गांधी खुद ही शेर की मांद में चले गए हैं - जिससे पूरे विपक्ष की रणनीति पर ही सवाल खड़े हो गए हैं (या फिर अगर वे वहां नहीं हैं, तो भी कांग्रेस में कोई इस बात की पुष्टि या खंडन नहीं कर रहा।) विपक्ष का गुब्बारा पहले ही पिचका जा रहा है। सरकार और विपक्ष, दोनों ही, यह जानते हैं कि कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टियां और ‘इंडिया’ गठबंधन जैसे मोर्चे ही इस लड़ाई का नेतृत्व कर सकते हैं - न कि वे छोटे-मोटे समूह, जो खुद को ‘कॉकरोच’ कहलाने में गर्व महसूस करते हैं

और ज्यादा से ज्यादा बस लोगों का ध्यान भटकाने का काम कर सकते हैं।

यही वजह है कि विजयादशमी के मौके पर मोहन भागवत का यह बयान बहुत अहम हो जाता है, जिसमें उन्होंने ‘सत्ता परिवर्तन’ की संभावना को खारिज कर दिया। भाषण की शुरुआती पॉक इस बार कहीं ज्यादा सख्त थी, पिछली बार की बनिस्बत जब उन्होंने अगरत माह में ‘जेन-जू’ और ‘जेन-अल्फा’ छात्रों से बात की थी और स्वीकार किया था ‘आज्ञा मानने वाला वक्त’अब गुजर चुका है। दूसरी बात, उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे अहम राज्यों में चुनाव करीब हैं, ऐसे में भागवत जानते हैं कि बीजेपी और आरएसएस के बीच जरा सा भी मतभेद या दूरी नज़र नहीं आनी चाहिए।

अब फिर से बंगाल और रे ब्रैडबरी, दोनों की ओर लौटते हैं - अगर किताबें नष्ट करने के विचार को कथित बढ़ावा देने के लिए सुवेंदु अधिकारी को उनकी ही पार्टी फटककर तक नहीं लगाती, तो इसका क्या मतलब है? जहां तक रे ब्रैडबरी की बात है, वे नाज़ी जर्मनी में किताबों को जलाए जाने की घटनाओं से बेबद आहत थे। उन्होंने इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने ‘फॉरेनहाइट 451’ इसलिए लिखी कि जिस तरह अमेरिका में 1950 के दशक में चीजें घट रही थीं, जब ‘बहुत से लोग अपनी ही परछाई से डरने लगे थे’। शायद, सब कुछ कहा और किया जा चुका हो, तब एक ही सुवाल बचता है : क्या सच में यही वह तापमान है जिस पर कागज़ जलता है? या फिर, आग की फिर से सुलगाने के लिए किसी बिल्कुल नए विचार की जरूरत है?

लेखिका ‘द ट्रिब्यून’ की प्रधान संपादक हैं।

हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में यूथ पार्लियामेंट का आयोजन

बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए परिस्थिति नहीं, दृढ़ संकल्प और मेहनत जरूरी : वित्त मंत्री चौधरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने नवा रायपुर स्थित हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू) में आयोजित कोलोसस एवं अंतरराष्ट्रीय मॉडल यूनाइटेड नेशंस और यूथ पार्लियामेंट 2026 के समापन समारोह में शामिल होकर विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने बचपन, शिक्षा और भारतीय प्रशासनिक सेवा तक पहुंचने की संघर्षपूर्ण यात्रा साझा करते हुए युवाओं को बड़े सपने देखने, कठिन परिस्थितियों से संघर्ष करने और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सुविधाओं और संसाधनों से अधिक महत्वपूर्ण व्यक्ति का आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और निरंतर परिश्रम है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि परिस्थितियाँ कितनी भी विपरीत क्यों न हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे प्राप्त करने के लिए ईमानदारी से प्रयास किया जाए, तो सफलता की राह बनाई जा सकती है।

कार्यक्रम में भारतीय हॉकी खिलाड़ी एवं ओलंपिक पदक विजेता शमशेर सिंह, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वी.सी. विवेकानंदन सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति रही। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विश्वविद्यालय द्वारा मॉडल यूनाइटेड नेशंस और यूथ पार्लियामेंट जैसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को संवाद, नेतृत्व और विचारों की अभिव्यक्ति का अवसर उपलब्ध कराने की सराहना की।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि उनका जन्म रायगढ़ जिले के एक छोटे से गांव में हुआ था। उनके पिता शासकीय विद्यालय में शिक्षक थे, लेकिन जब वे मात्र आठ वर्ष के थे, तभी उनके पिता का निधन हो गया। उनकी माता ने केवल चौथी कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की थी। सीमित पारिवारिक संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी।

उन्होंने बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल में हुई। जिस मिडिल स्कूल में वे पढ़ते थे, उसकी छत खपरेल की थी और बारिश होने पर कक्षाओं में पानी भर जाता था। नौवीं से बारहवीं तक की पढ़ाई के दौरान भी शिक्षकों की भारी कमी थी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि बारहवीं कक्षा में पूरे वर्ष गणित की केवल

साझा की बचपन से लेकर आईएस अधिकारी बनने तक की अपनी संघर्षपूर्ण यात्रा



चार कक्षाएं ही आयोजित हो पाई थीं।

श्री चौधरी ने कहा कि इन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी कमजोरियों या संसाधनों की कमी को कभी अपने सपनों के रास्ते की बाधा नहीं बनने दिया। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अपने जीवन का एक प्रेरक प्रसंग साझा करते हुए बताया कि वर्ष 2000 में बारहवीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद वे भिलाई पहुंचे। उस समय आईएस की तैयारी के लिए आवश्यक किताबें आसानी से उपलब्ध नहीं होती थीं। भिलाई और रायपुर के पुस्तक बाजारों में तलाश करने के बाद भी जब पर्याप्त अध्ययन सामग्री नहीं मिली, तो उन्होंने दिल्ली जाने का निर्णय लिया।

उन्होंने बताया कि दिल्ली पहुंचने के बाद अपने एक मित्र के साथ वे मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी देखने पहुंचे। उस समय उनकी उम्र लगभग 18 वर्ष थी। उन्होंने अकादमी के प्रवेश द्वार पर तैनात सुरक्षार्थी से भीतर जाकर प्रशिक्षण संस्थान देखने

की इच्छा व्यक्त की, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं मिला।

श्री चौधरी ने कहा कि उस घटना से वे भावुक हो गए थे, लेकिन उसी क्षण उन्होंने संकल्प लिया कि एक दिन वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित होकर इसी अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने आएंगे। उन्होंने कहा कि जीवन में असमान, असफलता या कठिन परिस्थितियों को निराशा का कारण बनाने के बजाय उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा में बदलना चाहिए।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने दिल्ली में अपनी पढ़ाई के दिनों का उल्लेख करते हुए बताया कि सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण उन्हें बेहद साधारण परिस्थितियों में रहना पड़ा। शुरुआत में वे दिल्ली के हकीकत नगर क्षेत्र में एक मकान की ऊपरी मंजिल पर किएए से रहते थे, जिसकी छत एस्बेस्टस शीट की थी। गर्मियों में कमरा अत्यधिक गर्म हो जाता था और पढ़ाई करते समय लगातार पसीना बहता रहता था।



उन्होंने बताया कि बाद में कम किएए के कारण उन्हें दिल्ली की एक कॉलोनी में कब्रिस्तान के समीप स्थित कमरे में भी रहना पड़ा। आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए वे लगभग 12 किलोमीटर दूर जाकर ट्यूशन पढ़ाते थे। ट्यूशन से मिलने वाली राशि और परिवार से प्राप्त सीमित आर्थिक सहयोग के सहारे उन्होंने अपनी पढ़ाई तथा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी जारी रखी।

श्री चौधरी ने विद्यार्थियों से कहा कि इन तमाम कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने कभी नकारात्मक सोच को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। उन्हें हमेशा विश्वास रहा कि मेहनत और संकल्प के बल पर वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि युवावस्था जीवन का वह महत्वपूर्ण समय है, जब व्यक्ति अपने भविष्य की दिशा तय करता है। इस दौर में चुनौतियाँ और असफलताएँ आना स्वाभाविक है, लेकिन उनसे घबराने के बजाय सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति की पारिवारिक पृष्ठभूमि, आर्थिक स्थिति या शुरुआती शैक्षणिक सुविधाएँ उसके भविष्य की अंतिम सीमा निर्धारित नहीं करतीं। सकारात्मक दृष्टिकोण, आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर प्रयास से जीवन में नई ऊँचाइयों तक पहुँचा जा सकता है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस और यूथ पार्लियामेंट जैसे कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विषयों पर विचार-विमर्श करने, विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने और अपनी नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने आयोजन से जुड़े विद्यार्थियों, विश्वविद्यालय प्रबंधन और आयोजकों को बधाई देते हुए युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

‘मन की बात’ 140 करोड़ देशवासियों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर जिले के अभनपुर स्थित अग्रवाल भवन में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी एवं सिद्धार्थ शंभू के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ की 139वीं कड़ी का श्रवण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ‘मन की बात’ देश की लोकशक्ति की आराधना और 140 करोड़ देशवासियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज, पर्यावरण, संस्कृति, नवाचार और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे सामान्य नागरिकों के असाधारण प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। ऐसे प्रेरक उदाहरण देशवासियों में समाज और राष्ट्र के लिए कुछ नया करने का भाव जागृत करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के लिए



गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री ने ‘मन की बात’ की विभिन्न कड़ियों में प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, खेल प्रतिभाओं, जल संरक्षण, पोषण और नवाचार से जुड़े प्रयासों को प्रमुखता से स्थान दिया है। उन्होंने बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम का उल्लेख कर बस्तर की खेल प्रतिभाओं एवं समृद्ध जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दी है।

आज शांति, विश्वास और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा बस्तर अपनी युवा प्रतिभाओं और सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से नई पहचान बना रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरिया जिले में जल संरक्षण के अभिनव ‘पांच प्रतिशत मॉडल’ की भी सराहना की है। इससे सिंचाई के साथ भूजल संरक्षण को भी बढ़ावा

मिल रहा है। इसी प्रकार ऐतिहासिक मल्हार के ताम्रपत्रों और पोषण से जुड़े ‘हर घर मुनगा’ जैसे प्रयासों का उल्लेख छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने त्योहारों के अवसर पर स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को प्राथमिकता देने और ‘वोकल फॉर लोकल’ को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने ई-संजीवनी, आधुनिक अनुसंधान, युवाओं के डीप-टेक स्टार्टअप, श्रोत्र की खेती और अंगदान के महत्व को भी रेखांकित किया। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर ‘रन फॉर यूनिटी’ में सहभागिता, स्वच्छता और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार हमें अपने आसपास हो रहे सकारात्मक कार्यों से प्रेरणा लेने और समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाने की प्रेरणा देते हैं।

प्रदेश के 309 पारंपरिक वैद्यों को मिला प्रमाण पत्र, इस अमूल्य विरासत को बचाने की चेष्टा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और औषधीय ज्ञान के संरक्षण की दिशा में प्रदेश के 6 जिलों के 309 पारंपरिक वैद्यों को स्वैच्छिक प्रमाणन के अंतर्गत प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा कोण्डागांव में आयोजित कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने वैद्यों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। बोर्ड ने 31 मार्च 2027 तक प्रदेश के एक हजार पारंपरिक वैद्यों के प्रमाणन का लक्ष्य रखा है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में हमारी सरकार पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और अधिकारियों को पंचायतों की तरह संकल्पित है। हमारी यह स्वास्थ्य परंपरा पूरे छत्तीसगढ़ की अमूल्य धरोहर है। पारंपरिक वैद्यों का ज्ञान औषधीय वनस्पतियों की पहचान और पीढ़ियों के अनुभवों पर आधारित है। इस ज्ञान का



व्यवस्थित दस्तावेजीकरण कर इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा जा आवश्यक है। उन्होंने औषधीय पौधों के संरक्षण और संवर्धन पर जोर देते हुए अधिकारियों को पंचायतों की उपलब्ध भूमि, घरों की बाड़ियों और अन्य उपयुक्त स्थानों पर इनके रोपण को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि स्थानीय वन उत्पादों, औषधीय

पौधों और पारंपरिक खाद्य पदार्थों की बेहतर ब्रांडिंग, प्रसंस्करण और विपणन से ग्रामीण समुदायों के लिए आजीविका के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं।

वन मंत्री श्री कश्यप ने साल बीज सहित अन्य वन उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर कार्य करने और कोदो, कुटकी और रागी जैसे पारंपरिक अनाज के पोषण संबंधी महत्व को रेखांकित करते हुए इनके उपयोग को बढ़ावा देने पर

जोर दिया। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम, उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला, जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में पारंपरिक वैद्य तथा वन विभाग एवं औषधि पादप बोर्ड के अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों को सिखाया आपदा से निपटने का गुर, कराया अभ्यास

श्रीकंचनपथ समाचार

सुरजपुर। विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक करने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित रहने के तरीके सिखाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में जिले के विद्यालयों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा मनोज साहू के नेतृत्व में विकासखंड रामानुजनगर के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पतरपाली में भूकंप से बचाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम एवं मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

मॉकड्रिल में विद्यार्थियों को भूकंप के कारणों, आपदा के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। इस दौरान शिक्षिका अनीता सिंह



शिक्षक कृष्ण कुमार यादव, योगेश साहू एवं रघुनाथ जायसवाल ने मॉक ड्रिल के माध्यम से विद्यार्थियों को भूकंप के समय सुरक्षित रहने का व्यावहारिक अभ्यास

कराया। बच्चों को समझाया गया कि भूकंप के झटके महसूस होते ही घबराने या इधर-उधर भागने के बजाय शांत रहना चाहिए।

कमरे के अंदर होने पर मजबूत मेज के नीचे बैठकर सिर और गर्दन को दोनों हाथों से ढकना चाहिए। खिड़कियों, कांच, अलमारी, पंखे तथा गिरने वाली अन्य

वस्तुओं से दूर रहना चाहिए। यदि मेज उपलब्ध न हो, तो झुककर किसी सुरक्षित स्थान पर सिर और गर्दन को ढकते हुए तब तक रुके रहना चाहिए, जब तक झटके बंद न हो जाएं।

विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि भूकंप के दौरान सीढ़ियों की ओर दौड़ना, लिफ्ट का उपयोग करना, खिड़की से बाहर कूदना अथवा भगदड़ मचाना खतरनाक हो सकता है। यदि बच्चे खुले मैदान में हों, तो भवनों, दीवारों, पेड़ों, बिजली के खंभों और तारों से दूर खुले स्थान पर चले जाएं। झटके बंद होने के बाद शिक्षक के निर्देशों का पालन करते हुए कतारबद्ध तरीके से सुरक्षित स्थान पर पहुंचें और क्षतिग्रस्त भवन में दोबारा प्रवेश न करें।

कार्यक्रम में आपदा के बाद घायल व्यक्तियों की सहायता करते समय सावधानी बरतने, बिजली के टूटे तारों से दूर रहने तथा जरूरत पड़ने पर आपातकालीन सहायता लेने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में

COMPLETE FAMILY SALON

हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में

JATU'Z
CUT N SHINE
930009-11331

रंगोली वैगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्गा (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0748-4060131

अनुप ट्रेडर्स

ऑटोफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता

लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539



श्रीदेवी काम को लेकर बेहद अनुशासित थीं हेतल ने बताया साथ काम करने का अनुभव

अभिनेत्री हेतल यादव ने अपने करियर की शुरुआत कोरियोग्राफर के तौर पर की थी। इस दौरान उन्होंने इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों के साथ भी काम किया है, जिनमें दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी का नाम भी शामिल हैं। हेतल यादव ने श्रीदेवी के साथ अपने काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया और बताया कि उनसे उन्होंने क्या कुछ सीखा।

अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वह खुद को भाग्यशाली मानती हैं कि लंबे करियर में इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, मैंने अपने लंबे करियर में कई क्षेत्रीय फिल्मों में काम करने के साथ-साथ कमर्शियल हिंदी फिल्मों में भी किया है। हालांकि एक एक्टर के तौर पर मैंने श्रीदेवी के साथ काम नहीं किया है, लेकिन एक प्रोड्यूसर के तौर पर बोनी कपूर की कई फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कहा, फिल्म %पुकार% के गाने की शूटिंग के दौरान मेरी मुलाकात श्रीदेवी से हुई थी और उनसे बातचीत करने का मौका मिला था। उस समय शायद उनकी बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर हो चुकी थी। मैंने श्री देवी में एक खासियत देखी कि वे अपने काम को लेकर बहुत अनुशासित और ईमानदार थीं और जो भी लोग उनके करीब हैं, वे इस बात से थली-भांति वाकिफ होंगे। हमारी इंडस्ट्री में आज ऐसे लोग कम ही देखने को मिलते हैं।

अभिनेत्री हेतल यादव ने आगे इंडस्ट्री के बदलाव पर भी बात की। उनका मानना है आज के मुकाबले में पहले के समय नए एक्टर्स को ज्यादा संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने कहा, उस समय एक अलग तरह का संघर्ष था और अलग तरह की चुनौतियां थीं, हालांकि आज के समय में भी अलग तरह की चुनौतियां देखने को मिलती हैं, लेकिन इन सबमें ओटीटी, टेलीविजन या फिल्मों में आना बहुत आसान हो गया है। अब नए एक्टर्स के लिए बहुत सारे रास्ते खुल गए हैं और सोशल मीडिया के माध्यम से दर्शकों के दिलों में जगह बनाना आसान हो गया है, खासकर उन लोगों को लिए जिनके पास संसाधन नहीं हैं। आज बहुत सारी सुविधाएं हैं जो पहले नहीं थीं।



दर्शन रावल ने रिलीज किया नया गाना 'सिर्फ तुम', खुद के लिए बताया बेहद खास



एक काल्पनिक या समानांतर दुनिया और दिल टूटने के दर्द के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें डैन का किरदार खुद दर्शन ने निभाया है, जो एक स्टूडेंटिंग म्यूजिशियन है।

कहानी में डैन एक दिन उठता है तो देखता है कि नियति (बरखा सिंह) गायब हो गई है और सभी उससे कहते हैं कि वह कभी थी ही नहीं। एक अलग ही दुनिया में नियति के साथ परफेक्ट प्यार का एहसास करने के बाद डैन अपने टूटे दिल के दर्द को संगीत के जरिए बयां करता है, इस उम्मीद में कि वह उस तक वापस पहुंचने का रास्ता ढूंढ लेगा।

ईपी के चार गानों में नाल नाल वे शामिल है, जो प्यार मिलने की खुशी को दिखाता है। सिर्फ तुम जो दिल टूटने की कहानी कहता है, जादू जो दर्शन रावल के फैंस को समर्पित है, जिन्हें वो अपनी ब्लू फैमिली कहते हैं और कारवां उनके जिंदगी के सफर को दर्शाता है।

ईपी (एक्सटेंडेड प्ले) के बारे में बात करते हुए दर्शन ने कहा, इस ईपी (एक्सटेंडेड प्ले) के जरिए मैं अपने लिसनर्स के साथ रोमांस के अलग-अलग पहलू शेयर करना चाहता था। वो हमेशा मेरे ईमानदार और कमजोर पक्ष से जुड़े रहे हैं, जो सिर्फ तुम में नजर आता है, जबकि जादू मेरी ब्लू फैमिली के लिए मेरा तोहफा है। कारवां एक ऐसा गाना है, जिसे मैं पहाड़ों में घूमते हुए और नेचर को एन्जॉय करते हुए सुनने की कल्पना कर सकता हूं। ये ईपी (एक्सटेंडेड प्ले) मेरे दूर लव लेटर्स से भी जुड़ा हुआ है और मैं अपने ऑडियंस के इसे लाइव एक्सपीरियंस करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।



करवाचौथ पर आलता, सोलह श्रृंगार में लगेंगे चार चांद

पैरों की सुंदरता बढ़ाने को देखें डिजाइन

करवाचौथ आने के अब कुछ ही दिन रह गए हैं और ऐसे में सुहागिनों की तैयारियां आखिरी चरण में चल रही हैं। इस खास दिन पर वे सोलह श्रृंगार करके सजती-संवरती हैं, जिसमें चूड़ी, बिंदी, सिंदूर सहित आलता का भी खास महत्व है। जिसकी जगह कुछ जगहों पर मेहंदी ने ले ली है, तो कुछ जगहों पर आलता लगाना ही पसंद किया जाता है। ऐसे में हम आपके लिए आलता के कुछ क्लासी डिजाइन्स लेकर आए हैं, जो आपके लुक में ट्रेडिशनल चार्म के साथ ही मॉडर्न वाइब लेकर आएंगे।

साड़ी या फिर लहंगा और सूट, किसी के भी साथ आप अपने लुक को खूबसूरत बनाने के लिए आलता लगा सकती हैं। जिसके लिए हमने सदाबहार और ट्रेंडी आलता डिजाइन्स की लिस्ट तैयार की है, जिसे लगाकर आप अपने पैरों की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं। चलिए फिर इन सुंदर डिजाइन्स पर नजर डालते हैं। अगर आपको पैरों को सिंपल और ट्रेडिशनल लुक देना पसंद है, तो यह डिजाइन अच्छा ऑप्शन है। इसमें डिजाइन को एकदम बेसिक और सदाबहार वाला रखा गया, जो

हमेशा पैरों की खूबसूरती को बढ़ा देता है। इसके लिए उंगलियों पर सिंपल डिजाइन बनाकर तलवे के ऊपर बस गोल बनाया है, जो सिंपल होने के बाद भी बेहद स्टनिंग लगा। अगर कुछ अट्रैक्टिव करने का मन है, तो आलता के साथ सफेद रंग की बारीक डिजाइनिंग भी कर सकती हैं। बीच में बना फूल जैसा मोटिफ और किनारों पर बनी सफेद बेल इसे खास बना रही है। ऊपर मोतियों वाली पायल पहनकर इस लुक को और खूबसूरत बनाया जा सकता है। करवाचौथ पर साड़ी या किसी भी ट्रेडिशनल अटायर के साथ आलता का

डिजाइन काफी सुंदर लगेगा। सिंपल लेकिन अट्रैक्टिव लुक के लिए आप इस तरह का डिजाइन चुन सकती हैं। जिसमें डिजाइन बेसिक ही है, लेकिन उसे थोड़ा हैवी टच दे दिया है और इसे बनाना भी आसान है। इसमें गोल आकार देकर आलता से उसके चारों ओर बिंदी बनाई गई, तो उंगलियों को भी तिरछे डिजाइन में पूरा आलता से कवर कर दिया है। पैरों में बिछिया पहन इस तरह का डिजाइन बेहद सुंदर लगेगा।

स्टोन वर्क से सजा आलता
आलता के डिजाइन के मॉडर्न टच देना चाहती हैं, तो अपनी पसंद का कोई भी डिजाइन पैरों पर लगा लें और फिर उसके बॉर्डर की स्टोन से सजाकर क्लासी टच दें। इनसे न सिर्फ पैरों में चमक आएगी, बल्कि आपका करवाचौथ पर लुक सबसे अलग दिखेगा।

फ्लोरल डिजाइन
अगर आप सबसे अलग और क्रिएटिव डिजाइन चाहती हैं, तो इस तरह का डिजाइन चुन सकती हैं। इसमें बना फ्लोरल पैटर्न डिजाइन बनाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन इस तरह के स्टैसिल भी आते हैं, जिसने आप मदद ले सकती हैं।

तेजी से बाल झड़ने के पीछे हो सकती है थायरॉइड की समस्या

बाल झड़ने के पीछे कई तरह के कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। इसके सामान्य कारणों में न्यूट्रिएंट्स की कमी, स्ट्रेस, मोटापा, प्रदूषण आदि को शामिल किया जाता है। इसके अलावा, कुछ तरह के रोगों में भी मरीज को बाल झड़ने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इस लिस्ट में थायरॉइड समस्या को शामिल किया जा सकता है।



बालों का झड़ना कई लोगों के लिए चिंता का विषय होता है। कभी बालों की मांग चौड़ी होने लगती है, कभी कंधी करते समय पहले से ज्यादा बाल निकलते हैं, तो कभी सिर के बाल पतले दिखाई देने लगते हैं। अक्सर लोग इसके लिए तनाव, खानपान या हेयर केयर प्रोडक्ट्स को जिम्मेदार मानते हैं, लेकिन इसकी एक वजह थायरॉइड हार्मोन्स में गड़बड़ी भी हो सकती है। थायरॉइड गर्दन के सामने मौजूद एक छोटी-सी ग्रंथि है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म यानी ऊर्जा के इस्तेमाल की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाती है। इसके हार्मोन बालों के रोम यानी हेयर फॉलिकल्स के विकास और उनके ग्रोथ साइकिल को भी प्रभावित करते हैं। जब शरीर में थायरॉइड हार्मोन कम या ज्यादा बनने लगते हैं, तो बालों की सामान्य वृद्धि बाधित हो सकती है और हेयर की कमी बढ़ सकती है।

थायरॉइड हार्मोन्स और हेयर ग्रोथ साइकिल क्या कनेक्शन

बालों की वृद्धि एक प्राकृतिक चक्र के अनुसार होती है। इसे ही हेयर ग्रोथ साइकिल कहा जाता है। इसके मुख्य चरण को आगे बताया गया है।

एनाजेन फेज: यह बालों के बढ़ने का चरण है। इस दौरान हेयर फॉलिकल्स सक्रिय रहते हैं और बालों की लंबाई बढ़ती है।

कैटाजेन फेज: यह एक छोटा ट्रांजिशन फेज है, जिसमें बालों का बढ़ना धीमा होने लगता है।

टेलोजेन फेज: इस चरण में बाल आराम की स्थिति में रहते हैं। इसके बाद पुराने बाल झड़ सकते हैं और उनकी जगह नए बाल उगने लगते हैं।

एनसीबीआई के अनुसार थायरॉइड हार्मोन, खासकर टी3 और टी4, हेयर फॉलिकल्स की गतिविधि और बालों की वृद्धि से जुड़ी कोशिकाओं पर असर डालते हैं। हार्मोन का स्तर सामान्य सीमा से बाहर होने पर बालों के ग्रोथ साइकिल में बदलाव आ सकता है।

इससे अधिक बाल एक साथ झड़ने लग सकते हैं या बालों की मोटाई और बनावट प्रभावित हो सकती है।

हाइपोथायरॉइडिज्म में बाल ज्यादा क्यों झड़ सकते हैं?

हाइपोथायरॉइडिज्म ऐसी स्थिति है, जिसमें थायरॉइड ग्रंथि पर्याप्त मात्रा में हार्मोन नहीं बना पाती। इससे शरीर की कई प्रक्रियाएं धीमी हो सकती हैं और त्वचा तथा बालों की सेहत भी प्रभावित हो सकती है। इस स्थिति में बाल सामान्य से ज्यादा झड़ सकते हैं, रूखे और बेजान हो सकते हैं या उनकी मोटाई कम होने लग सकती है।

कुछ लोगों को भीड़ों के बाहरी हिस्से के बाल पतले होने की समस्या भी दिखाई देती है। हालांकि, ये लक्षण केवल हाइपोथायरॉइडिज्म में ही नहीं होते, इसलिए इनसे अकेले थायरॉइड की बीमारी की पुष्टि नहीं की जा सकती।

क्या हाइपरथायरॉइडिज्म भी हेयर लॉस का कारण बन सकता है?

हाइपरथायरॉइडिज्म में भी बाल झड़ सकते हैं। यह ऐसी स्थिति है, जिसमें थायरॉइड ग्रंथि जरूरत से ज्यादा हार्मोन बनाते लगती है। शरीर की कई प्रक्रियाएं तेज हो सकती हैं और हेयर फॉलिकल्स की सामान्य गतिविधि प्रभावित हो सकती है। इसके परिणामस्वरूप बाल पतले पड़ सकते हैं या पूरे सिर से ज्यादा मात्रा में झड़ सकते हैं।

बालों का झड़ना थायरॉइड प्रोब्लम का शुरुआती संकेत

कुछ मामलों में बालों का ज्यादा झड़ना थायरॉइड की समस्या का शुरुआती संकेत हो सकता है, खासकर जब इसके साथ अन्य लक्षण भी मौजूद हों। लेकिन केवल हेयर लॉस के आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि किसी व्यक्ति को हाइपोथायरॉइडिज्म या हाइपरथायरॉइडिज्म है।

उदाहरण के लिए, अगर बाल पूरे सिर से ज्यादा झड़ रहे हैं, उनकी मोटाई कम हो रही है और साथ में थकान, वजन में बदलाव, ठंड या गर्मी के प्रति संवेदनशीलता जैसे लक्षण भी हैं, तो डॉक्टर थायरॉइड की जांच कराने की सलाह दे सकते हैं।

बाल झड़ने की दूसरी वजहों में आयर्न की कमी, तनाव, हाल में तेज बुखार या बीमारी, प्रसव के बाद होने वाले हार्मोनल बदलाव, कुछ दवाएं, आनुवंशिक कारण और पोषण संबंधी समस्याएं शामिल हैं।

थायरॉइड हार्मोन बालों के सामान्य ग्रोथ साइकिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हाइपोथायरॉइडिज्म और हाइपरथायरॉइडिज्म दोनों में हेयर लॉस हो सकता है, लेकिन बाल झड़ना अपने आप में थायरॉइड की बीमारी का पक्का प्रमाण नहीं है। यदि बाल झड़ने के साथ वजन, ऊर्जा, त्वचा या शरीर के तापमान से जुड़े बदलाव भी दिखाई दें, तो डॉक्टर से सलाह लेकर जांच कराएं।

शीशे से जड़ा लहंगा और दिलकश अदा रॉयल अंदाज में रैंप पर उतरें कृति

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री कृति सेनन हाल ही में मशहूर डिजाइनर अभिनव मिश्रा के 'इनटू द वाइल्ड 2026' फैशन शो के लिए रैंप पर उतरीं और अपने खूबसूरत अंदाज से आग लगा दी। कृति इस शो के लिए शोस्टॉपर बनीं। अपने दिलकश और शाही अंदाज के लिए वे तारीफें लूट रही हैं।

कृति की हिरनी सी चाल ने खींचा ध्यान

मिरर वर्क वाली लहंगा ड्रेस पहनकर कृति जब रैंप पर उतरीं तो उनकी हिरनी सी चाल ने लोगों का ध्यान खींच लिया। चेहरे पर मुस्कान और आत्मविश्वास से लबरेज होकर उन्होंने रैंप वाक की।

शोस्टॉपर बनीं कृति सेनन

रैंप पर कृति सेनन चर्चित फैशन डिजाइनर अभिनव मिश्रा के लिए शोस्टॉपर बनीं। बता दें कि कृति ने अभिनव का 'इनटू द वाइल्ड 2026' सालाना काउचर प्रेजेंट किया। इसमें उनके सिनेचर मिरर वर्क और नेचर से प्रेरित मोटिफ्स को एक साथ लाया गया। इस ड्रेस के साथ उन्होंने हैवी ज्वेलरी कैरी करके लुक कपलीट किया।

अभिनव मिश्रा ने कृति की तारीफें क्या कहा?

अभिनव मिश्रा ने लिखा है, 'हमारी शोस्टॉपर म्यूज कृति सेनन एक

शानदार ब्लैक लहंगा पहनकर 'इनटू द वाइल्ड' में आईं। इसमें हमारा सिनेचर मिरर वर्क, बारीक हाथ की कढ़ाई, मेटैलिक सजावट और घोड़े की नक्काशी दिखाई गई, यह सब दिखी में तारों भरी चांदनी रात में हुआ। कुदूर, कारीगरी और अचानक होने वाली चीजों की भावना का जश्न मनाने वाली एक शाम के लिए कृति का हमारे साथ होना बहुत खुशी की बात है।



ख़ास-ख़बर

वृद्धजनों के साथ मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सुनी ‘मन की बात’

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने रायपुर की मानव बस्ती स्थित शासकीय वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ का 139वां संस्करण सुना। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने देशवासियों से महिला शक्ति, स्वच्छता, स्थानीय उत्पादों और युवाओं की सकरात्मक भूमिका से जुड़े विषयों पर संवाद किया। प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती में महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि धरती मां को रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से बचाने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। खेती और आजीविका के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी उनके आर्थिक सशक्तिकरण के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती देती है। दीपावली और त्योहारों के मौसम को देखते हुए प्रधानमंत्री ने नागरिकों से स्थानीय उत्पाद खरीदने और ‘वोकल फॉर लोकल’ को प्रोत्साहित करने की अपील की।

बारिश थमते ही सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में आई तेजी

धमतरी। मानसून की विदाई के साथ ही जिले में सड़कों के निर्माण, मरम्मत एवं संधारण कार्यों में तेजी आई है। आम नागरिकों को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न मार्गों पर चल रहे कार्यों को गति दी जा रही है। बारिश के कारण प्रभावित हुए निर्माण कार्यों को अनुकूल मौसम में तेजी से पूरा करने के साथ ही सड़कों की गुणवत्ता और टिकाऊपन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत राजनांदगांव-गुंडदेही राज्य मार्ग पर डामरीकरण का कार्य किया जा रहा है। कोलियारी-खरेंगा-दीनर-जोरातराई मार्ग पर भी निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

प्रकाश को भारी-भरकम बिजली बिल से मिली मुक्ति

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रत्येक घरों में छत पर सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाकर आमजनों को ऊर्जा के लिए आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से मुंगेली जिले के अनेक घर सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे हैं और लोग बिजली खर्च से मुक्त होकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह योजना नागरिकों को आर्थिक राहत प्रदान करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित हो रही है। योजना के तहत ग्राम करही मुंगेली के प्रकाश शर्मा ने अपने आवास पर 03 किलोवाट का रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराया और भारी-भरकम बिजली बिल से मुक्ति पा ली है। उन्होंने बताया कि सोलर सौर्यत्र के चालू होते ही अधिकांश घरेलू विद्युत आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी हो रही है।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के 7वें मैच में मैनपाट टाइटन्स ने राजधानी रॉयल्स को 5-2 से हराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के सातवें मुकाबले में प्रदीप मोर की मैनपाट टाइटन्स ने राजधानी रॉयल्स को 5-2 से करारी शिकस्त दी। लीग के मैचों के बढ़ते रोमांच के बीच केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव, सांसद कमलेश जांगड़े, पूर्व मंत्री महेश गांगड़ा और पूर्व अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी नीता झुमे भी आज मैच देखने पहुंचे। उन्होंने मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। उप मुख्यमंत्री श्री साव तमाम व्यस्तताओं के बावजूद आज लगातार तीसरे दिन मैच देखने हॉकी स्टेडियम पहुंचे।

आज के मैच में हार के साथ ही राजधानी रॉयल्स के सेमीफाइनल में पहुंचने का रास्ता लगभग बंद हो गया है। मैच के पहले क्वार्टर में ज्यादातर समय खेल काफी सुस्त रहा। दोनों टीमों में मिडफ़ैल्ड में ही गेंद को घुमाती रही और बहुत कम बार ही विपक्षी सर्कल के अंदर पहुंच पाई। क्वार्टर के अंत में मैनपाट टाइटन्स ने तेजी दिखाते हुए सर्कल के अंदर एक मौका बनाया, जिस पर मनीष वट्टी ने गोल करके टीम को बढ़त दिलाई।

इसके जवाब में राजधानी रॉयल्स ने भी वापसी की कोशिश की। रौशन ने सर्कल के बाहर से



अनिकेत को गेंद पास की, जिस पर अनिकेत ने गोल करके ख़ोर बराबर कर दिया।

इसके लगभग 30 सेकंड बाद ही रौशन ने टाइटन्स के गोलकीपर अल्पज खान को छकाते हुए गोल कर दिया, जिसे रेफ़री ने अमान्य करार दिया। मैनपाट के संदीप ठाकुर को मिडफ़ैल्ड से एक बेहतरीन पास मिला, जिस पर उन्होंने गोल करके हाफ-टाइम तक टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी।

इसके बाद ललित ने शानदार खेल दिखाते हुए काफी दूर से गेंद को उछालकर (स्कूप करके) रौशन के पास पहुंचाया, जिसे रौशन ने गोल में बदल दिया। इसे शायद इस टूर्नामेंट का ‘सर्वश्रेष्ठ गोल’ कहा जा सकता है। इसी क्वार्टर में मोहित नायक ने रिवर्स फ़िलक के जरिए गोल करके मैनपाट की बढ़त को और मजबूत कर दिया। इसके बाद राजधानी रॉयल्स की ओर से कुछ कमजोर

खेल देखने को मिला, जिसका फ़ायदा उठाते हुए फ़्रिंस ने गोल किया और मैनपाट टाइटन्स की बढ़त 4-2 हो गई। रॉयल्स के लिए यह मैच यहीं खत्म हो गया, क्योंकि वे कोई खास हमला नहीं कर पाए। रॉयल्स के लिए सबसे बड़ी समस्या यह रही कि वे पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल सके। इसके जरिए वे कोई गोल नहीं कर पाए। मैच खत्म होने के बाद मोहित नायक को ‘स्ट्राइकर ऑफ़ द मैच’ और ‘प्लेयर ऑफ़ द मैच’ चुना गया।

26 अक्टूबर को संस्कारधानी स्ट्राइकर्स का सामना बैलाडीला बुल्स से होगा, जबकि चक्रधर चैंपियंस का मुकाबला मैनपाट टाइटन्स से होगा। बैलाडीला बुल्स के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत के साथ न्यायधानी नाइट्स ने छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के सेमीफ़ाइनल में अपनी जगह जगह पक्की कर ली है।

न्यायधानी नाइट्स ने अब तक खेले गए अपने तीनों मैच जीते हैं और वे पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर बैलाडीला बुल्स अभी भी पॉइंट्स टेबल के निचले हिस्से में हैं। टीम ने अब तक कोई जीत हासिल नहीं की है। इस मैच के स्टार ड्रैग-फ़्लिकर चिराग रहे, जिन्होंने हैट्रिक लगाई। वहीं, विपक्षी टीम का इकलौता गोल जसकरण सिंह ने किया।

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बैलाडीला बुल्स के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत के साथ, न्यायधानी नाइट्स ने पहली छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में सेमीफ़ाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। राज्य के उपमुख्यमंत्री और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री, अरुण साव की मौजूदगी में, नाइट्स ने अपने तीनों मैच जीते हैं और वे पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, बुल्स अभी भी पॉइंट्स टेबल के निचले हिस्से में हैं और उन्होंने अब तक एक भी मैच नहीं जीता है।

मैच की बात करें तो, यह टूर्नामेंट की सबसे मजबूत डिफेंस (रक्षा पंक्ति) वाली दो टीमों के बीच मुकाबला था। CHL 2026 में अब तक जो मैच हुए हैं, यह उनसे बिल्कुल अलग था। फैंस आमतौर पर हाई-स्कोरिंग (ज्यादा गोल वाले) मैच देखने के आदी हैं, लेकिन इस मुकाबले में दोनों टीमों का डिफेंस बहुत मजबूत दिखा। कम से कम पहले क्वार्टर में तो यही देखने को मिला, जिसमें कोई गोल नहीं हुआ।

सवाल बस यह था कि कौन सी टीम पहले



गलती की; दूसरे क्वार्टर में उन्हें एक पेनल्टी कॉर्नर देना पड़ा, जिस पर चिराग ने अपनी शाम की पहली ही ड्रैग-फ़्लिक से गोल कर दिया। हाफ-टाइम के करीब, उन्होंने लगभग उसी तरह एक और गोल किया।

बुल्स ने वापसी की कोशिश की और जसकरण ने गेंद को डिफ़्लेक्ट करके गोल में पहुंचा दिया, जिससे हाफ-टाइम तक स्कोर 2-

1 हो गया और वे मैच में बने रहे।

2020 टोक्यो ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट सुरेंद्र ने युवाओं को दिखा दिया कि पेनल्टी कॉर्नर बचाने के मामले में वे आज भी सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं। तीसरे क्वार्टर में, एक अनावश्यक ‘स्टिक चेक’ की वजह से नाइट्स को पेनल्टी कॉर्नर देना पड़ा। इसके जवाब में, अनुभवी सुरेंद्र गोलपोस्ट पर बिना

हिले-डुले खड़े रहे और एक बेहद तेज ड्रैग-फ़्लिक को अपनी स्टिक के बीचों-बीच रोक दिया। इसी बीच, पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल रहे चिराग ने क्वार्टर के अंत में अपनी हैट्रिक पूरी की और अपनी टीम की बढ़त को और बढ़ा दिया। मैच के अंत में, जब बैलाडीला को वापसी की कोई उम्मीद नहीं बची थी, तब केतन कुशवाहा ने एक शानदार गोल (टोमाहॉक) करके अपनी टीम की बढ़त को और बढ़ा दिया।

कुल मिलाकर, यह एक बेहतरीन डिफेंसिव प्रदर्शन था। चिराग को उनके शानदार खेल के लिए ‘स्ट्राइकर ऑफ़ द मैच’ और ‘प्लेयर ऑफ़ द मैच’ चुना गया। अब, न्यायधानी अपना अगला मैच 27 अक्टूबर को चक्रधर चैंपियंस के खिलाफ खेलेगी, जबकि बैलाडीला बुल्स 26 अक्टूबर को संस्कारधानी स्ट्राइकर्स का सामना करेगी।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के बारे में: छत्तीसगढ़ हॉकी लीग छत्तीसगढ़ की पहली आधिकारिक राज्य-स्तरीय हॉकी लीग है, जिसे छत्तीसगढ़ सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित किया गया है। इस लीग का उद्देश्य राज्य के हॉकी खिलाड़ियों को एक व्यवस्थित और प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करना है, जहाँ वे

अपनी प्रतिभा दिखा सकें, बहुमूल्य अनुभव प्राप्त कर सकें और राज्य, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के अवसर तलाश सकें।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का पहला सीज़न 21 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक रायपुर के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ्रेंचाइजी-आधारित टीमों—राजधानी रॉयल्स, बैलाडीला बुल्स, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स, चक्रधर चैंपियंस, न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स-खिताब के लिए आपस में मुकाबला करेंगी। हर टीम में 22 खिलाड़ियों का स्क्वॉड होगा: 18 खिलाड़ी छत्तीसगढ़ से होंगे, जबकि 4 खिलाड़ी राज्य के बाहर के (राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर के) होंगे। इस लीग का लक्ष्य छत्तीसगढ़ में हॉकी इकोसिस्टम को मजबूत करना, उभरते खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर पैदा करना और राज्य में राष्ट्रीय खेल (हॉकी) के निरंतर विकास में योगदान देना है। चलो रे संगी, हॉकी खेलबो (चलो दोस्तों, हॉकी खेलते हैं) टैगलाइन के साथ, यह लीग छत्तीसगढ़ को खेल पहचान, क्षेत्रीय गौरव और हॉकी में राज्य की बढ़ती आकांक्षाओं का जश्न मनाती है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना: कांकेर में दो नए मार्गों पर बस सेवा शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत कांकेर जिले के दो नए मार्गों पर बस सेवा शुरू की गई है। परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने भानुप्रतापपुर-कोरार और भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग पर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन मार्गों पर बस सेवा शुरू होने से वनांचल के 40 से अधिक गांवों के लोगों को नियमित सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलेगी। इससे ग्रामीणों की शिक्षा, स्वास्थ्य, हाट-बाजार और शासकीय कार्यों के लिए आवागमन में सहूलियत होगी।

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक बुनियादी



सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से ऐसे गांव भी सार्वजनिक परिवहन से जुड़ रहे हैं,

जहाँ पहले नियमित बस सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इससे ग्रामीणों को विकासखंड भी सुख्खालय, अस्पताल, विद्यालय और

बाजार तक पहुंचने में आसानी हो रही है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवहन का विस्तार केवल आवागमन की सुविधा नहीं, बल्कि दूरस्थ अंचलों को विकास के नए अवसरों से जोड़ने का माध्यम भी है।

कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि सुदूर अंचलों तक शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। दूरस्थ गांवों में बस सेवा का विस्तार इसी दिशा में शासन की महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेदी, नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी और ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कैंसर के प्रति जागरूकता और आधुनिक उपचार सुविधाओं का विस्तार जरूरी : वित्त मंत्री ओपी चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने आज राजधानी रायपुर के होटल बेबीलॉन कैपिटल में भित्तल हॉस्पिटल द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की चिकित्सा कॉन्फ्रेंस **Breast Cancer Update 2026 – Empowering the Future of Breast Oncology** के दूसरे दिन के कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर के प्रति व्यापक जनजागरूकता, समय पर जांच एवं निदान तथा आधुनिक उपचार सुविधाओं की उपलब्धता को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण विषय पर चिकित्सकों और विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने की सराहनीय पहल के लिए भित्तल हॉस्पिटल, रायपुर के आयोजकों एवं चिकित्सा विशेषज्ञों को बधाई



दी। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार में समय पर पहचान और सही चिकित्सकीय परामर्श की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विशेष रूप से ब्रेस्ट कैंसर के संबंध में महिलाओं को जागरूक करना, नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए प्रोत्साहित करना तथा आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि

चिकित्सा विज्ञान में हो रहे निरंतर अनुसंधान और तकनीकी प्रगति से कैंसर के उपचार की संभावनाएं बेहतर हुई हैं। इन आधुनिक उपचार पद्धतियों का लाभ अधिक से अधिक मरीजों तक पहुंचाना चिकित्सा जगत की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। श्री चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच अनुभवों, नवीन शोध और

आधुनिक उपचार तकनीकों का आदान-प्रदान आवश्यक है। इस प्रकार के वैज्ञानिक सम्मेलन चिकित्सकों को नवीनतम चिकित्सा पद्धतियों से परिचित कराने के साथ मरीजों को अधिक प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में उपयोगी साबित होते हैं। भित्तल हॉस्पिटल, रायपुर द्वारा 24 एवं 25 अक्टूबर को आयोजित इस दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में ब्रेस्ट कैंसर की पहचान, निदान, शल्य चिकित्सा, आधुनिक दवाओं तथा उपचार की नवीनतम पद्धतियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए। कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्तन कैंसर के उपचार में मरीज की बीमारी की अवस्था, चिकित्सकीय स्थिति और अन्य आवश्यक पहलुओं के आधार पर उपयुक्त उपचार पद्धति के चयन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस दौरान विशेष रूप से चर्चा की गई कि किन परिस्थितियों में स्तन को

सुरक्षित रखते हुए सर्जरी की जा सकती है तथा आधुनिक दवाओं और व्यक्तिगत उपचार पद्धतियों के माध्यम से मरीजों को अधिकतम लाभ कैसे पहुंचाया जा सकता है।

सम्मेलन में ब्रेस्ट कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि बीमारी का समय पर निदान होने से उपचार के बेहतर परिणाम प्राप्त करने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इसके लिए महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने, आवश्यक चिकित्सकीय जांच कराने तथा किसी भी संदिग्ध लक्षण की स्थिति में विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेने की आवश्यकता है। कॉन्फ्रेंस में कैंसर उपचार के क्षेत्र में विकसित हो रही आधुनिक तकनीकों, व्यक्तिगत उपचार पद्धतियों तथा मरीजों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।

धान खरीदी में पारदर्शिता और किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता-कलेक्टर

सूरजपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी की तैयारियों को लेकर संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर रैना जमील की उपस्थिति में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों एवं उपाजर्जन समितियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। बैठक में अपर कलेक्टर राम सिंह ठाकुर, खाद्य अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, समिति प्रबंधक, ऑपरेटर संबंधित जन उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती जमील ने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेन्स एवं श्रद्धालु उपलब्ध यहां
उचित व्याज दर पर धरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories

**Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai**

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Jaquar Roca **Perrysone** **AJAY FLOWLINE**

Shri Vijay Enterprises

**Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.**

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

प्रेस क्लब परिसर में हवाई फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के मोतीबाग स्थित प्रेस क्लब परिसर में हवाई फायरिंग करने और धमकी देने के मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी पलाश तिவारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्तौल, एक खाली खोखा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 24 अक्टूबर 2026 को शाम करीब 5:30 बजे प्रेस क्लब परिसर में पिस्तौल से हवाई फायरिंग करने और धमकी देने की शिकायत मिली थी। प्रेस क्लब के पदाधिकारियों की लिखित शिकायत पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 410/2026 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 और 351(2) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज होने के कुछ घंटों के भीतर आरोपी पलाश तिवारी को गिरफ्तार कर लिया। मामले की विस्तृत जांच के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है।

गुड़ियारी में अवैध चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के गुड़ियारी थाना क्षेत्र में अवैध रूप से धारदार चाकू लेकर घूम रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 25 अक्टूबर 2026 को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को सूचना मिली थी कि कलिंग नगर स्थित सीएसईबी मैदान में एक व्यक्ति अवैध रूप से धारदार चाकू लेकर घूम रहा है। सूचना पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और गुड़ियारी पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मोहित अग्रवाल (30), निवासी स्टेशन चौक, नर्मदापारा, थाना गंज, रायपुर बताया। पुलिस ने चाकू रखने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन आरोपी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चाकू जब्त कर थाना गुड़ियारी में अपराध क्रमांक 491/26 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25 में मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने गुमशुदा कलिका मरकाम को महाराष्ट्र से बरामद कर परिजनों को सौंपा

बीजापुर। थाना नैमैड क्षेत्रांतर्गत ग्राम कुएनार निवासी कलिका मरकाम के गुमशुदा होने के मामले में थाना नैमैड पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उहें महाराष्ट्र के चंद्रपुर से बरामद कर सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कलिका मरकाम घर से बिना बताए कहीं चली गई थीं । परिजनों द्वारा थाना नैमैड में गुमशुदगी की सूचना दी गई। सूचना पर थाना नैमैड में अपराध क्रमांक 19/2026, धारा 140(3) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया। पुलिस द्वारा परिजनों एवं आसपास के लोगों से पूछताछ कर गुमशुदा की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में दिनांक 24/10/2026 को गुमशुदा कलिका मरकाम को महाराष्ट्र के चंद्रपुर से बरामद किया गया। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के पश्चात दिनांक 25/10/2026 को उहें सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से अनाचार का आरोप, युवक गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। बम्हनीडीह थाना क्षेत्र में नाबालिग से अनाचार के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 19 वर्षीय आरोपी करन कुमार सूर्यवंशी को गिरफ्तार किया है। आरोपी जांजगीर थाना क्षेत्र के पिसोद गांव का निवासी है। पुलिस ने उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। 23 अक्टूबर को पीड़िता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ अनाचार किया। शिकायत के आधार पर अपराध क्रमांक 91/2026 के तहत बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की और विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

सागौन कटाई रोकने पहुंचे वन कर्मचारियों की पिटाई

जगदलपुर। भानपुरी वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम बनियागांव के जंगल में देर रात सागौन पेड़ की अवैध कटाई कर रहे अज्ञात तस्करों ने गश्त पर पहुंचे वन कर्मचारियों पर हमला कर दिया। तस्करों ने वनकर्मियों के साथ मां-बहन की अश्लील गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। वनकर्मियों ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए विवाद शुरू कर दिया। भानपुरी पुलिस ने पीड़ित वनकर्मी की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। रिपोर्ट पर भानपुरी पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

वीआईपी तिराहे पर हादसा

स्कूटी से घर जा रही मां बेटी को बेकाबू कंटेनर ने रौंदा, मौके पर दोनों की मौत



रायपुर। राजधानी के वीआईपी तिराहे पर रविवार सुबह 10 बजे कंटेनर ने मोपेड सवार मां-बेटी को रौंद दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक कंटेनर छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है। गंगा साहू (35) अपनी 9 साल की बेटी रितिका को कराटे क्लास से लेकर टेमरी लौट रही थीं। देर शाम पोस्टमार्टम के बाद दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।



घटना से गांव में मातम छाया है। इस हादसे ने एक बार फिर राजधानी में सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम के इंतजामों पर सवाल खड़े किए हैं। तेलीबांधा टीआई अजय झा ने बताया कि टेमरी निवासी गौरीशंकर साहू निजी वाहन चलाते हैं। गंगा से उनकी शादी 14 साल पहले हुई थीं।



उनकी दो बेटियां थीं। बड़ी बेटी लवली (11) और छोटी बेटी रितिका (9) तीसरी कक्षा में पढ़ती थीं। रविवार सुबह गंगा रितिका को कराटे क्लास से लेने गई थीं। इसके बाद दोनों मोपेड से वीआईपी रोड होते हुए टेमरी लौट रही थीं।



वीआईपी तिराहे के पास पीछे से आए कंटेनर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। दोनों पहियों के नीचे आ गईं और मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर भाग गया। पुलिस से फरार हो गए।



शिकायत के बाद एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और टिकरापारा पुलिस की संयुक्त टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। वारदात में इस्तेमाल दोपहिया वाहन की भी जानकारी जुटाई गई। जांच के दौरान पुलिस ने शेख तौहीद (20), निवासी बैद्यनाथपारा, कोतवाली क्षेत्र, को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में शेख तौहीद ने अपने साथी के साथ मिलकर मोबाइल झपटने की बात स्वीकार की। उसके पास से मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल एक्टिवा जब्त की गई है। पुलिस फरार साथी की तलाश कर रही है।

रायपुर कोर्ट में पुलिस को धक्का देकर भागा गांजा तस्कर, कस्टडी से भागने का केस दर्ज



रायपुर। रायपुर के जिला न्यायालय परिसर में पेशी के लिए लाया गया गांजा तस्करी का आरोपी पुलिस को धक्का देकर फरार हो गया। बिहार के बबलू कुमार राय को 23 अक्टूबर की शाम एनडीपीएस कोर्ट में पेश करने ले जाया जा रहा था। इसी दौरान उसने पुलिसकर्मों को जोरदार धक्का दिया और हाथ से हथकड़ी निकालकर भाग निकला। पुलिसकर्मियों ने कोर्ट परिसर और आसपास उसकी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। आरक्षक संजय गिरी की शिकायत पर सिविल लाइंस थाने में 24 अक्टूबर को एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब आरोपी की तलाश में जुटी है। आरक्षक संजय गिरी रायपुर के सुरक्षित केंद्र में पदस्थ हैं। 23 अक्टूबर को उनकी ड्यूटी गांजा तस्करी के आरोपी बबलू कुमार राय को कोर्ट में पेश करने के लिए लगाई गई थी। एसआई यादव



के नेतृत्व में पुलिस टीम आरोपी को लेकर एनडीपीएस कोर्ट पहुंची थी। शाम 5:45 बजे आरोपी को कोर्ट में पेश करने ले जाया जा रहा था। इसी दौरान उसने अचानक पुलिसकर्मों को जोरदार धक्का मारा, हथकड़ी हाथ से निकाल ली और भाग गया। बबलू कुमार राय बिहार के वैशाली जिले के राघवपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उसे गांजा तस्करी के मामले में डीआरआई की टीम ने पकड़ा था। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज था। इसी मामले में उसे रायपुर सेंट्रल जेल में रखा गया था।

प्रदेशभर में वाहनों की जांच, दो दिनों में 364 पर कार्रवाई, 5 वाहन जब्त, 19 के परमिट होंगे निरस्त



रायपुर। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा प्रदेशभर में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। बीते दो दिनों में विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने वाले 364 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 4 लाख 81 हजार 300 रुपए समन शुल्क वसूला है। गंभीर उल्लंघन के मामलों में 5 वाहन जब्त किए गए हैं। वहीं, नियम विरुद्ध संचालन पाए जाने पर 19 मामलों में वाहन परमिट निरस्त करने के लिए प्रकरण तैयार किए गए हैं, जिनमें 17 मामले रायपुर जिले के हैं।



परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश एवं अतिरिक्त परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिला परिवहन कार्यालयों द्वारा 24 एवं 25 अक्टूबर को विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस

दौरान बिना परमिट संचालित 12 वाहन, बिना फिटनेस प्रमाण पत्र के 10 वाहन, बिना बीमा के 3 वाहन और बिना प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र के 27 वाहन पाए गए। इसके अलावा अन्य नियमों के उल्लंघन के 312 मामलों सहित

कुल 364 प्रकरणों पर कार्रवाई की गई।

वैध दस्तावेज रखने और नियमों के पालन की अपील

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। विभाग ने वाहन मालिकों और चालकों से वैध परमिट, फिटनेस, बीमा एवं प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज रखने की अपील की है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

मिली जानकारी के अनुसार किशनगढ़ गांव में मजदूर बड़े पैमाने पर जमीन की खुदाई का कार्य कर रहे थे। काम के दौरान जैसे ही एक मजदूर ने फव्वड़ा चलाया, वैसे ही जमीन के नीचे से इस्मान की हड्डियां बाहर आ गईं। अचानक मानव अवशेष देखकर वहां काम कर रहे मजदूरों के बीच अफरा-तफरी और डर का माहौल बन गया। मजदूरों ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय ग्रामीणों को दी। सूचना मिलते ही

बिलासपुर। बिलासपुर में अमृतसर से हेरोइन लाकर बेचने की कोशिश कर रहे 32 साल के युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी उसलापुर में ग्राहकों की तलाश कर रहा था। एसीसीयू और सक्री पुलिस की संयुक्त टीम ने उसके कब्जे से 11.73 ग्राम हेरोइन जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 2.50 लाख रुपए है। साथ ही 10,500 रुपए नकद बरामद किए हैं। त्योहारों को देखते हुए संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि उसलापुर बाजार के आसपास एक युवक हेरोइन बेचने की कोशिश कर रहा है। सूचना पर टीम



धान का अवैध परिवहन करते झारखंड में दो पिकअप जब्त



श्रीकंचनपथ न्यूज जा रहा था। जांच के दौरान धान परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं मिले। प्रशासनिक टीम ने दोनों पिकअप वाहनों और उनमें लदे धान को जब्त कर थाना दुलदुला के सुपुर्द कर दिया है। मामले में आवश्यक कार्रवाई और प्रकरण तैयार करने के लिए मंडी निरीक्षक को भी सूचित किया गया है। दुलदुला तहसील झारखंड की सीमा से लगी है। धान खरीदी के दौरान दूसरे राज्यों से धान लाकर छत्तीसगढ़ में खपाए जाने की आशंका को देखते हुए जिला और स्थानीय प्रशासन सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन जांच कर रहा है। प्रशासन ने अवैध परिवहन पर रोक लगाने और खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अभियान जारी रखने की बात कही है।

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने और दूसरे राज्यों से अवैध धान के परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा निगरानी बढ़ाई जा रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले के दुलदुला तहसील क्षेत्र में झारखंड से धान ला रहे दो पिकअप वाहनों को जब्त किया गया है। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन में चलाए जा रहे जांच अभियान के तहत तहसीलदार दुलदुला राहुल कौशिक और खाद्य निरीक्षक संदीप गुप्ता ने 24 अक्टूबर की रात कार्रवाई की। दोनों पिकअप में झारखंड के कुरुडेग से धान लोड कर छत्तीसगढ़ के नारायणपुर चराईमारा ले जाया

मनरेगा की खुदाई के दौरान निकला मानव कंकाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जिले के पंडरिया थाना क्षेत्र के किशनगढ़ गांव में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत खुदाई के दौरान एक मानव कंकाल मिला। खुदाई में मानव कंकाल मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। नर कंकाल के साथ एक सड़ा-गला थैला और चप्पल भी बरामद हुआ है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार किशनगढ़ गांव में मजदूर बड़े पैमाने पर जमीन की खुदाई का कार्य कर रहे थे। काम के दौरान जैसे ही एक मजदूर ने फव्वड़ा चलाया, वैसे ही जमीन के नीचे से इस्मान की हड्डियां बाहर आ गईं। अचानक मानव अवशेष देखकर वहां काम कर रहे मजदूरों के बीच अफरा-तफरी और डर का माहौल बन गया। मजदूरों ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय ग्रामीणों को दी। सूचना मिलते ही



पंडरिया थाने की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल वाले पूरे इलाके को सील कर दिया और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने नर कंकाल को फॉरेंसिक जांच और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके साथ ही पुलिस आसपास के गांवों में भी पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हाल ही में इलाके से कोई व्यक्ति गायब



तो नहीं हुआ था। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह कंकाल किसी पुरुष का है या महिला का। कंकाल कितना पुराना है, इसकी सटीक जानकारी भी अभी नहीं मिल पाई है। पुलिस कंकाल के पास से मिली वस्तुओं और थैले के आधार पर व्यक्ति की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा।

ग्राहक तलाश कर रहा हेरोइन तस्कर गिरफ्तार 2.50 लाख की हेरोइन और 10,500 कैश बरामद



ने मौके पर पहुंचकर दीपक वालिया को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से 11.73 ग्राम हेरोइन और 10,500 रुपए कैश मिले। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अमृतसर से हेरोइन खरीदकर बिलासपुर लाया था। यहां छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर ज्यादा कीमत पर बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा था। आरोपी मूल रूप से सुभाष कॉलोनी, अमृतसर (पंजाब) का

निवासी है। वह फिलहाल उसलापुर स्थित वास्तु शिखर अपार्टमेंट में रह रहा था। पुलिस अब हेरोइन की खरीद-फरोख्त में शामिल अन्य लोगों और आरोपी के वित्तीय लेन-देन की जानकारी जुटा रही है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी) और 22(बी) के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक



श्रीकंचनपथ ने आस्था वृद्धाश्रम में मनाया 18वां स्थापना दिवस

आपने हाथों से परोसा आश्रमवासियों को भोजन आत्मीय चर्चा से अकेलापन दूर करने की कोशिश



श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सांध्य दैनिक श्रीकंचनपथ ने रविवार को अपना 18वां स्थापना दिवस आस्था बहुउद्देश्यीय कल्याण संस्था, सेक्टर-2 भिलाई में मनाया। इस अवसर पर श्रीकंचनपथ परिवार ने अपने हाथों से परोसकर आश्रमवासी वृद्धजनों को भोजन कराने के साथ ही फल एवं उपहार देकर उनका अभिनंदन भी किया।

इस अवसर पर श्रीकंचनपथ के संपादक राजेश अग्रवाल ने आस्था संस्था के संचालक प्रकाश गेडाम की माताश्री श्रीमती बानुबाई गेडाम के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। उनके साथ हर्षित अग्रवाल, कंचन अग्रवाल, के श्रीहरी, सोनू यादव, मोनू यादव, परवेजउद्दीन, भूपेन्द्र साहू,

दीपक रंजन दास, पूनम पटेल, अक्षत कश्यप, फैजान खान, अतुल कुमार, अभय, जाह्नवी, सोनू साहू, सहित केपी न्यूज एवं हर्ष मीडिया परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

श्रीकंचनपथ के संपादक राजेश अग्रवाल ने कहा कि यह सनातन संस्कृति है। ईश्वर उन्हीं की मदद करता है जिनमें

बिना दान के वृथा है सामर्थ्य : राजेश अग्रवाल

मानव सेवा की भावना हो। श्रीकंचनपथ परिवार ने हमेशा अपने इस पक्ष को मजबूत रखा है तथा इस परिवार का प्रत्येक सदस्य इस परम्परा को आगे बढ़ा रहा है। वे ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि सेवाभावी लोगों को ईश्वर इतनी शक्ति और इतना सामर्थ्य दे कि वे सेवाकार्यों से अनन्त आनन्द की अनुभूति करें।

इस अवसर पर श्री गेडाम ने कहा कि अपने दिवंगत पिता

की स्मृति में उन्होंने खाली हाथ वृद्धजनों की सेवा का बीड़ा उठाया था। श्रीकंचनपथ जैसे ही अनेक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों एवं सेवाभावी लोगों ने आगे बढ़कर हाथ बंटया। इस सहयोग के बिना वृद्ध आश्रम का संचालन संभव नहीं था। आस्था संस्था ऐसे सभी लोगों की ऋणी है।

इस अवसर पर श्रीकंचनपथ परिवार के सदस्यों ने आश्रम वासी वृद्धजनों के साथ आत्मीय चर्चा कर उनका कुशलक्षेम पूछा। आश्रम संचालक श्रीमती शोभा मेश्राम ने बताया कि भोजन-वस्त्र और दवा के अलावा इन लोगों की सबसे बड़ी जरूरत मनोरंजन की रह जाती है। जब लोग समूह में आते हैं तो इन्हें वह मानसिक शांति भी मिल जाती है जिससे ये लोग वंचित हैं। अपने अपने घर से दूर इन लोगों के लिए अब यही लोग उनका परिवार हैं।

